Description of Physical Geog. in Ancient India

From the desk of DATE

1). Seven land masses of Puranas:— (पौराणिक सप्त द्वीप)

Biggest — 1) Jambo Dwip → 9 sub-divisions / भी उपखण्ड / वर्ष

2) Plaksh ,,
3) Shalmali ,,
4) Kush ,,
5) Krounch ,,
6) Shak ,,
7) Pushkar ,,

1) इलावर्त वर्ष
2) केतुमाल ,,
3) भद्राश्व ,,
4) भारत ,,
5) किम्पुरुष ,,
6) हरि वर्ष ,,
7) रम्यक ,,
8) हिरण्मय ,,
9) उत्तर कुरु ,,

Saptdwip

• पुराणों में वर्णित 'सप्त द्वीप' सात भूखण्डों व महाद्वीप की ओर संकेत करता है। ये सातो भूखण्ड व महाद्वीप मेरु पर्वत के चारो ओर कमल के फूल की पंखुड़ियों के समान फैले है। इन द्वीपों का नामकरण उन्हे सम्बन्धित प्रधान वृक्षों (जम्बु, प्लक्ष व ~~शाल्मि~~ शाल्मली) घास (कुश) पर्वत (क्रौंच एव) (पुष्कर) के आधार पर किया गया है।

किसी विद्वान ने आर्य लवण ... के आधार पर ... द्वीपों ...

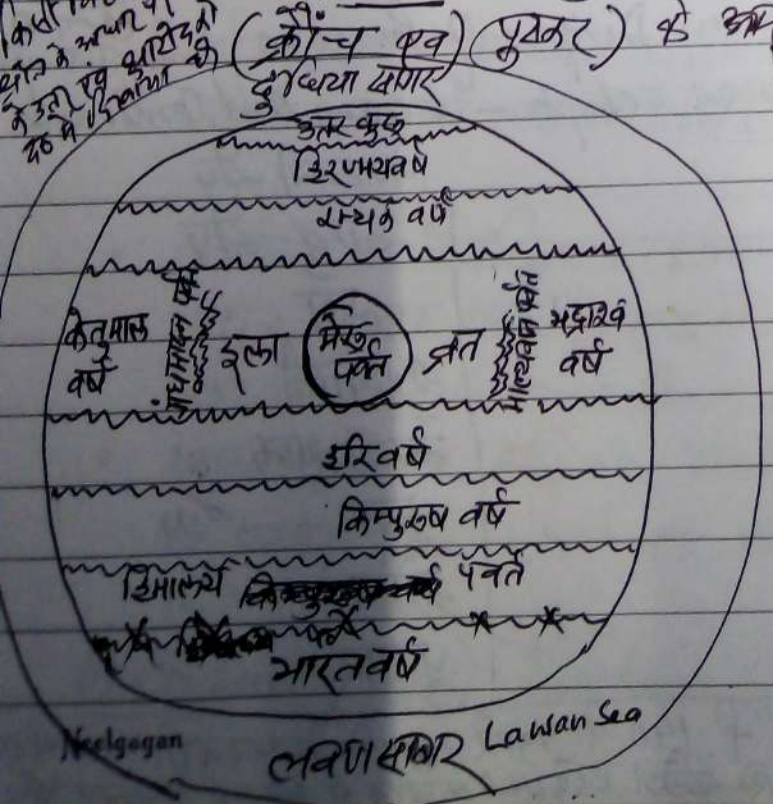

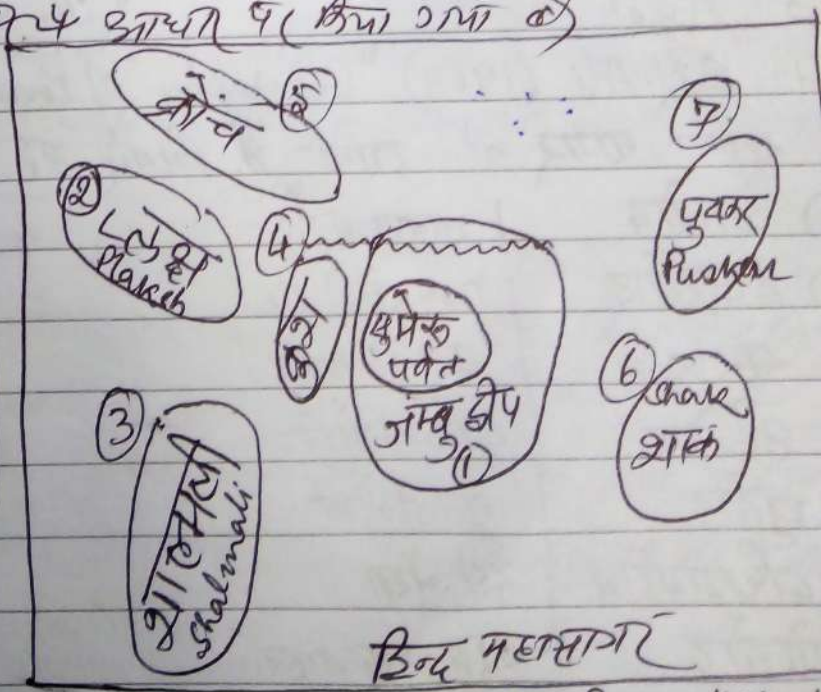

← S.M. Ali (1968), "Geography of Puranas" Chapt ... Oceans

Neelgagan

	गेरिनी के आधार पर	विल्फोर्ड के अनुसार	अय्यर के अनुसार	एस० एम० अली के अनुसार
1) जम्बु द्वीप	भारतीय उपमहाद्वीप	मुख्य भारत	मुख्य भारत	द० भारत से उत्तरी साईबेरिया तक फैला मध्य एशियाई भाग
2) कुश द्वीप	सुण्डा द्वीप समूह	ईरान व अफगानिस्तान	ईरान, स्यान, अबीसीनिया, इथोपिया	फारस, मेसोपोटामिया निकटवर्ती शुष्क भाग
3) प्लक्ष द्वीप	अराकान व बर्मा	एशियाई माइनर (टर्की)	यूनान	भूमध्य सागरीय प्रदेश
4) क्रौंच	दक्षिणी चीन प्रदेश	यूरप	एशियाई माइनर (टर्की)	यूराल से प० एवं द० प० ... मध्यवर्ती पुनर्जीवित प्रक्रिया के
5) शाल्मली	मलाया द्वीप समूह	मध्य & द० यूरप	सरमाटिया	
6) शाक	कम्बोज & थाइलैण्ड	ब्रिटिश द्वीप समूह	द० तुर्किस्तान	द० पू० एशिया के मानसूनी
7) पुष्कर	उ० चीन & मंचुरिया	आइसलैण्ड	सिथिया का निकटवर्ती प्रदेश	पूर्वी चीन, जापान, मंगोलिया ...

1. Garini Kennel ( ), "Researches on Ptolemy's Geographia" Asia S...
2. Wilford F. "Researches on Asia"
3. Ayer "The Seven Dwipas of Puranas"
4. S.M. Ali (1968) "Geography of Puranas" chapter – Oceans and Conti...

सात सागर जो पुराणों में गिनाए गए

		निकटवर्ती द्वीप
1) क्षारोद	लवण सागर अर्थ	जम्बु द्वीप
2) इक्षुरसोद	गन्ना रस की तरह	प्लक्ष "
3) सुरोद	सुरा की भांति	शाल्मली "
4) क्षीरोद	दुग्ध की भाँति	क्रौंच & शाक "
5) घृतोद	घृत की भाँति	कुश "
6) दधिमण्डोत	दही जैसा	क्रौंच "
7) शुद्धोद	शुद्ध जल वाला	पुष्कर "

S.M. Jain (2012) "भौगोलिक चिंतन एवं विधितंत्र" पृ. 140 के अनुसार – चारों वेद पढ़ने वाले चतुर्वेदी, तीन वेद पढ़ने वाले त्रिवेदी, दो वेद पढ़ने वाले द्विवेदी एवं ... को ...

the desk of • वेदों व पुराणों व उपनिषदों आदि के अनुसार DATE

जम्बू द्वीप सभी द्वीपों के मध्य में गिनाया गया और इसी द्वीप के मध्य में सुमेरु पर्वत स्थित है।

• जैन दर्शन के अनुसार सुमेरु पर्वत वाह्याकृति कमल बीज कोष के समान वृत्ताकार है

• पुराणों के अनुसार सुमेरु पर्वत का विस्तार व परिधि लगभग 1 योजन है (श्रीमद् भागवत पुराण, पृ० 4261) इस द्वीप में एक-एक हजार योजन पर नौ (9) वर्ष व प्रदेश स्थित हैं। प्रथम एवं अन्तिम वर्ष को छोड़कर सभी दोनों सीमाओं पर पर्वत श्रेणियाँ फैली हुई है प्रत्येक वर्ष (प्रदेश) को पर्वतों के बीच की पट्टी है पुन: एक और चापाकार सागर का भी विस्तार है

जैन दर्शन के अनुसार सुमेरु पर्वत धरती को स्वर्ग से जोड़ता है मेरु की ऊँचाई 84000 योजन, गहराई 16000 योजन, आधार पर चौड़ाई 16000 योजन, और शीर्ष पर 3200 योजन है

ऋग्वेद के अनुसार (10वें मंडल के मंत्र) – "उत्तरंयत समुद्रस्य, हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम
वर्षं तत् भारतनाम, भारती यत्र सन्तति।"

अर्थात हिमवान या हेमवन्त (हिमालय) से लेकर दक्षिण समुद्र के मध्य का चापाकार प्रदेश भारतवर्ष कहलाता है। दक्षिण समुद्र को क्षारोद (लवण सागर व सेतु बन्ध) के नाम से पुकारा गया।

कालीदास का 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' एवं सिन्धु दर्शन के अनुसार — दुष्यन्त ने भरत ने इस सम्पूर्ण भूखण्ड को जीतकर एक साम्राज्य सीमा में बाँध दिया। और उसे उपखण्डों में विभाजित किया था

कालान्तर में द्रविड़ लोग जो दक्षिण की ओर खदेड़ दिए गए थे तो विंध्याचल एवं सतपुड़ा पर्वत आर्य एवं द्रविड़ सभ्यता के मध्य विभाजक रेखा के रूप में था

C. Law (1968). "Mountains of India as in Ancient Literatures" chapter-1
Mountain and Rivers of India.